OM 21 DELHI_Page 1 and 2 14/01/2015 07:53 Page 12

''समाज को समृद्ध करना है तो करें नारी का सम्मान - कुमार मंगलम''

दिल्ली। सिर्फ पोशाक परिवर्तन से महिलाओं के साथ हो रही हिंसा, अपराध समाप्त नहीं होगा अपितु आवश्यक है नैतिक और आध्यात्मिक गुणों से व्यक्ति के दृष्टिकोण, वृत्ति, व्यवहार एवं संस्कार परिवर्तन की। परिवार से लेकर समाज के हर स्तर में नारी वर्ग को आदर सम्मान एवं समान अधिकार देने से ही परिवार और समाज स्वस्थ और समृद्ध होगा। इस दिशा में स्त्री और पुरुष दोनों एक दूसरे के सहयोगी बनें और देश के विकास के लिए महिलाओं को आगे आना होगा जिसके लिए उनका नैतिक व आध्यात्मिक सशक्तिकरण ज़रूरी है। उक्त उद्गार मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्षा श्रीमती कुमार मंगलम ने व्यक्त किये।

नारी ही स्वर्ग का द्वार है- शंकराचार्य ओंकारानन्द।

इसी कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में बोलते हुए श्रीमद प्रयाग पीठ के प्रमुख, जगदगुरु शंकराचार्य ओंकारानन्द जी ने कहा कि जाया और जननी के रूप में नारी ही मनुष्य जाति की रचयिता है। भारतीय सनातन धर्म संस्कृति का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि निराकार शिव परमात्मा द्वारा सतयुगी सृष्टि की रचना के कार्यों की अग्रदूत नारी ही स्वर्ग का द्वार है। ब्रह्माकुमारी संस्था की उच्च नैतिक शिक्षा और राजयोगा ध्यान से न केवल समाज में व्यापक बुराइयां और पापाचार समाप्त होगा, अपितु सतयुगी सुख-शांति पूर्ण दुनिया स्थापित होगी।

स्व-परिवर्तन से महा-परिवर्तन संभव ब्र.कु. शिवानी।

आध्यात्मिक वक्ता ब्र.कु. शिवानी ने उपस्थित लोगों से कहा कि नए वर्ष में जीवन को सुखमय बनाने के लिए क्रोध न करना, क्षमा करना, अतीत की दु:खदायी बातों को भूलकर दूसरों के प्रति मधुर बोल और व्यवहार से सुख देने की आदत बनानी होगी। ऐसे सकारात्मक स्व परिवर्तन को सहज बनाने के लिए आत्मिक दृष्टि-वृत्ति एवं दिव्यता के स्रोत परमात्मा से कर्म करते हुए स्मृति संपन्न रहने की आवश्यकता है। राजयोग मेडिटेशन से अपने उत्कृष्ट विचारों को सही दिशा देना है।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग अध्यक्ष जस्टिस वी. इश्वरैय्या ने कहा कि समाज में आज सर्वांगीण विकास की आवश्यकता

''नारी सम्मान की पुनर्स्थापना कार्यक्रम सम्पन्न''

दिल्ली। कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते हुए श्रीमती कुमार मंगलम, ब्र.कु. आशा, ब्र.कु. शुक्ला, ब्र.कु. पुष्पा, ब्र.कु. बृजमोहन, जस्टिस वी. ईश्वरैय्या, ब्र.कु. शिवानी, प्रो. रणबीर सिंह तथा अन्य।

है जिसके लिए हर क्षेत्र और स्तर पर नैतिक चरित्र निर्माण ज़रूरी है जो कि ब्रह्माकुमारी जैसी संस्थाओं के द्वारा ही किया जा सकता है। ब्रह्माकुमारी संस्था की निदेशिका ब्र.कु.आशा ने कहा कि आज के देह अभिमानी संस्कार एवं भोगवादी संस्कृति ही महिला उत्पीड़न का मूल कारण है। उन्होंने लोगों में खासकर युवा वर्ग में नैतिक और आध्यात्मिक संस्कार डालने तथा नारी केन्द्रित अश्लील विज्ञापनों को समाप्त करने की दिशा में दिल्ली से लेकर सारे देश में एक जन-आंदोलन का आह्वान किया।

नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. रणबीर सिंह ने कहा कि विलुप्त होते जा रहे भारतीय मूल्य एवं संस्कृति की रोकथाम के लिए आध्यात्मिक शिक्षा को सभी क्षेत्र में लागू करना होगा। ब्रह्माकुमारी संस्था के मुख्य प्रवक्ता ब्र.कु.बृजमोहन ने कहा कि ईश्वरीय ज्ञान एवं राजयोग के अभ्यास से ही परमात्मा की शक्ति प्राप्त कर स्त्री शक्ति समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है, जिन नारियों का गायन-पूजन शिव-शक्ति देवियों के रूप में आज तक भी किया जा रहा है। कार्यक्रम की मुख्य संयोजिका ब्र.कु. शुक्ला ने कहा कि आत्म अभिमानी स्थिति, सद्गुणों की धारणा, सादा जीवन, श्रेष्ठ विचार और व्यवहार के आधार पर ही श्रेष्ठ जीवन और समाज बनाया जा सकता है।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा दिल्ली तथा इसके आसपास के क्षेत्र में आयोजित ''परमात्म शक्ति द्वारा महापरिवर्तन का समय अब'' विषय पर विशाल कार्यक्रम की श्रृंखला पश्चिम विहार रैडिसन ब्लू डी.डी.ए मैदान में एक भव्य सार्वजनिक प्रोग्राम से संपन्न हुआ।

मूल्य शिक्षा से श्रेष्ठ बनेंगे युवाओं के संस्कार

शांतिवन। युवाओं में मूल्यों के ज़रिये श्रेष्ठ संस्कार और आदर्श शिक्षा देना ज़रूरी है। भौतिकता के अंधानुकरण में आज का युवा खोता जा रहा है। उसका जीवन मूल्यविहीन हो चुका है। यदि हमें उन्हें श्रेष्ठ बनाना है तो मूल्य आधारित शिक्षा से ही युवा श्रेष्ठ व सर्वश्रेष्ठ बनेंगे। उक्त उद्गार कर्नाटक खुला विश्वविद्यालय (ओपन यूनिवर्सिटी) के कुलपति एम.जी.कृष्णन ने ब्रह्माकुमारी संस्था के शिक्षा प्रभाग द्वारा मूल्य आधारित शिक्षा पाठ्यक्रम के एम.ओ.यू. (समझौता) के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

ब्रह्माकुमारी संस्था तथा कर्नाटक विश्व विद्यालय के बीच समझौता (एम.ओ.यू.) सभी धर्मों और सम्प्रदायों से हटकर है

ब्रह्माकुमारीज़ का ज्ञान

ब्रह्माकुमारी संस्था के शिक्षा प्रभाग द्वारा

शांतिवन। एम.ओ. यू. पर हस्ताक्षर करने के पश्चात् उपस्थित हैं एम.जी. कृष्णन, दादी रतनमोहिनी, ब्र.कु. मृत्युंजय, ब्र.कु. करुणा तथा अन्य।

बनाये गये मूल्य आधारित शिक्षा पाठ्यक्रम के लिए कर्नाटक राज्य खुला विश्व विद्यालय के बीच समझौता किया गया। इसके तहत कर्नाटक खुला विश्व विद्यालय भी मूल्य आधारित शिक्षा में डिप्लोमा, डिग्री आदि पाठ्यक्रम चलायेगा। इस कार्यक्रम में कुलपति कृष्णन ने ब्रह्माकुमारीज़ की तारीफ करते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ का ज्ञान सभी धर्मों और सम्प्रदायों से हटकर है। यहाँ आत्मीयता का गुण सिखाया जाता है। ये हर मनुष्य के लिए अति आवश्यक है इसलिए यह समझौता किया गया। तभी भारत विश्व गुरु बनेगा

संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि इस सृष्टि पर एक समय ऐसा भी था जब मानव मूल्यों से सम्पन्न था। आज हमें उन्हीं मूल्यों को जीवन में अपनाने की आवश्यकता है। मूल्य ही आने वाले समय में भारत को विश्व गुरु का खिताब दिलायेगा और वो सोने की चिड़िया कहलायेगा।

इसी कार्यक्र में शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र.कु.मृत्युंजय, संस्था के प्रवक्ता ब्र.कु.करूणा ने भी कहा कि ये शिक्षा समाज में एक नई चेतना का संचार करेगी और मानव को मूल्यों के प्रति आकर्षित करेगी। इससे बड़ी संख्या में युवा पीढ़ी के संस्कारों में परिवर्तन आयेगा।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510
सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088, Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये । **विदेश** - 2500 रुपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/12-14, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2013-14, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 16 Jan-2015
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.वी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।